[4-A] Seat No. _____ No. of printed pages: 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (I Semester) (NC) (Hindi) Examination 2017
Wednesday, 19th April
10.00 am - 01.00 pm
PA01CHIN01 - भक्तिकाव्य

कुल गुण : ७०

प्र.१ कबीर के समाजदर्शन को सोदाहरण समझाइए। (१७)

अथवा

प्र.१ 'नागमती-वियोग खंड' की मूल संवेदना को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

प्र.२ रामचरित मानस के 'अयोध्या कांड' की विशेषताएँ लिखें। (१७)

अथवा

प्र.२ सूरदास के 'भ्रमरगीत' में निरुपित विरह को सोदाहरण समझाइए।

प्र.३ टिप्पणी लिखें **(किन्हीं दो)** (१८)

(१) कबीर की भाषा
(२) सूफी प्रेम काव्यधारा में जायसी का स्थान
(३) रामचरितमानस का महाकाव्यत्त्व
(४) सूरदास की भाक्तिभावना

प्र.४ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (१८)

(क) कबीर सतगुर लई कमांण कर (करि) बांहण लागा तीर।
एक जु बाह्या प्रीति स्यूं भीतरि रह्या सरीर।।
कबीर सतगुर साचा सूरिवां, सबद जु बाह्या एक।
लागत ही भ्वैं मिलि गया, पड्या कलेजै छेक।।
कबीर सतगुर मार्‌या बाण भरि, धरि करि सूधी मूठि।
अंगि उघाडै लागिया, गई दवा सूं फूटि।।

अथवा

काहे को रोकत मारवा सूधो?
सुनहु मधुप! निर्गुन कंटक तें राजपंथ क्यों रूँधो?
कै तुम सिखै पढाए कुब्जा, कै कही स्यामघन जू धौं।
बेद पुरान सुमृति सब ढूँढौ जुवतिन जोग कहूँ धौं?
ताको कहा परेखो कीजै जानत छाछन दूधो।
सूर मूर अक्रूर गए जै ब्याज निबेरत ऊधो।।

(ख) सावन बरस मेह अति पानी। भरनि परी हौं बिरह झुरानी।।
लाग पुनरबसु पीड न देखा। भइ बाउरी, कहँ कंत सरेखा।।
रकत कै आँसू परहिं भुंइ टूटी। रेंगी चली जस बीरबहूटी।।
सखिन्द रचा पिउ संग हिंडोला। हरियरी भूमि, कुसुंभी चोला।।
हिय हिंडोल अस डोलै मोरा। बिरह झुलाइ देह झकझोरा।।
बाट असूझ अथाह गंभीरी। जिउ बाउर, मा फिरै भँभीरी।।
जग जल बूड जहाँ लगि ताकी। मोरि नाव खेवक बिनु थाकी।।
परबत समुद अगम बिच, बीहड़ वन बनढाँख।
किमि कै भेंटौं कंत तुम्ह? ना मोहि पाँवन पाँख।।

अथवा

सुनि मृदु बचन मनोहर पिय के। लोचन ललित भरे जल सिय के।।
शीतल सिख दाहक भइ कैसैं। चकडहि सरद चंद निसि जैसैं।।
उतरु न आव बिकल बैदेही। तजन चहत सुचि स्वामि सनेही।।
बरबस रोकि बिलोचन बारी। धरि धीरजु उर अवनि कुमारी।।
लागि सासु पग कह कर जोरी। छमबि देबिं बडि अबिनय मोरी।।
दीन्हि प्रानपति मोहि सिख सोई। जेहि बिधि मोर परम हित होई।।
मैं पुनि समुझि दीखि मन माहीं। पिय बियोग सम दुखु जग नाहीं।।
प्राननाथ करुनायतन सुन्दर सुखद सुजान।
तुम्ह बिनु रघुकुल कुमुद बिनु सुरपुर नरक समान।।

☺☺☺☺☺

[31-A-16] Seat No. _____ No. of printed page : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (I Semester) (NC) Examination
2017
Monday, 10th April
10.00 a.m. to 1.00 p.m.
PA01CHIN03 : भाषा विज्ञान

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है । शिरोरेखा अनिवार्य है ।

कुल गुण : ७०

प्र.१ भाषा को परिभाषित करते हुए भाषा के अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए । (१७)

अथवा

प्र.१ भाषाविज्ञान का अर्थ बताते हुए भाषाविज्ञान के प्रमुख प्रकारों को समझाइए ।

प्र.२ उच्चारण की दृष्टि से स्वर और व्यंजन में क्या अंतर है ? व्यंजन-ध्वनियों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.२ स्वर गुण किसे कहते है ? इसके विभिन्न रूपों का परिचय दीजिए ।

प्र.३ अर्थ परिवर्तन की दिशाओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.३ अर्थ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

प्र.४ टिप्पणी लिखें (**किन्हीं दो**) (१८)

(१) रूपिम के भेद
(२) अर्थतत्त्व एवं संबंधतत्त्व
(३) वाक्य की अवधारणा
(४) पर्यायता और विलोमता

===XXX===